www.sgbauonline.com

(viii) केशवदास के श्रृंगार - चित्रण की विशेषताएँ लिखिए।

(ix) मीरा के काव्य में विरह व्यंजना पर प्रकाश डालिए।

(x) रहीम के व्यक्तित्व के विविध पक्ष उजागर कीजिए।

5x4=20

4. निम्नलिखित अति लघुत्तरी/वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशानुसार लिखिए :—

(i) 'पद्मावत' में मानसरोदक - खण्ड का क्रमांक कौनसा है ?

(ii) जायसी के गुरू का नाम लिखिए।

(iii) सूरदास का मूल नाम क्या था ?

(iv) पंक्ति पूर्ण कीजिए :—

''----- , सरवर पियहिं न पान।
----- , सम्पति संचहि सुजान।।''

(v) संत नामदेव निर्गुण पंथी थे (सत्य/असत्य)।

(vi) 'मीरा' के पिता का नाम क्या है ?

(vii) 'सुंदरकाण्ड' का नायकत्व किसे दिया जा सकता है ?

(viii) बिहारी कौनसे काल के कवि थे ?

(रीतिकाल/भक्तिकाल/आधुनिक काल)

(ix) पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए :—

''पूँछ, बुझाइ खोइ श्रम, ----- ।
----- , भयउ कर जोरि।।''

M. A. (Part-I) Examination

HINDI

Paper-I

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

(Prachin Ewam Madhyakalin Kavya)

P. Pages : 5

Time : Three Hours] [Max. Marks : 100

---

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **तीन** की संदर्भसहित व्याख्या कीजिए :—

(अ) रामचंद्र गुन बरनै लागा।
सुनतहिं सीता कर दुख भागा।।
लागीं सुनैं श्रवन मन लाई।
आदिहु तें सब कथा सुनाई।।
श्रवनामृत जेहिं कथा सुहाई।
कही सो प्रगट होति किन भाई।।
तब हनुमंत निकट चलि गयऊ।
फिरी बैठीं मन बिसमय भयऊ।।

(आ) सायक - सम मायक नयन, रँगे त्रिबिध रँग गात।
झरपौ बिलखि दुरि जात जल, लखि जलजात लजात।।
मरी डरी कि टरी बिथा, कहा, खरी, चलि, चाहि।
रही कराहि कराहि अति, अब मुँह आहि न आहि।।

(इ) राधा अधिक चंगिम भेल।
कतने जतन कत अदबुद, बिहि बिहि तोहि देल।

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

सुन्दर बदन सिंदुर – बिन्दु, सामर चिकुर भार।
जनि रवि – ससि सँगहि ऊगल पाछ कय अंधकार।
चंचल लोचन बाँक निहारए अंजन सोभा पाय।
जानि इंदीवर नवल – पेलड अलि भरे उलटाय।

(ई) बिरहिन ऊठै भी पडे, दरसन कारनि राम।
सूवाँ सीछे देहुगे, सो दरसन किहिं काम।।
आइ न सकौं तुझ पैं, सकूं न तुस बुलाइ।
जियरा मौहीं लडगे, विरह तपाइ – तपाइ।।

(उ) लाग कुवार, नीर जग घटा। अब हूँ आउ, कंत! तन लटा।।
तोहि देखे, पिउ ! पसु है कया। उतरा चीतु, बहुरि करू नया।।
चित्रा मित्र मीन कर भाषा। पपिहा पीउ पुकारत पावा।।
उआ अगस्त, हस्ति घन गाजा। तुरय पलानि चढ़े रन राजा।

(ऊ) सँदेसनि मधुबन – कूप भरे।
जो कोउ पथिक गए हैं ह्याँ तें फिरि नहिं अवन करे।।
कै वै स्याम सिखाय समोधे कै वै बीच मरे ?
अपनें नहिं पठवत नंदनंदन हमरेउ फेरि धरे।।
मसि खूँटी कागद जल भींजै, सर दव लागि जरे।
पाती लिखैं कहो क्यों करि जो पलक – कपाट – अरे ?

3×10=30

2. निम्नलिखित दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर लिखिए :—

(क) 'कबीर एक क्रांतिकारी कवि है' स्पष्ट कीजिए।

(ख) विद्यापति के श्रृंगार वर्णन की विशेषताएँ सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(ग) सुंदरकांड के आधारपर तुलसी के काव्य की विशेषताएँ लिखिए।

(घ) बिहारी के दोहों के आधार पर उनकी बहुज्ञता का परिचय दीजिए। 2×15=30

3. निम्नलिखित लघुत्तरी प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** के उत्तर **15** से **20** पंक्तियों में लिखिए :—

(i) 'संत नामदेव की निष्कपट वाणी ने भारतीय जीवन को किस प्रकार प्रभावित किया है ?' समझाइए।

(ii) गुरू गोविंदसिंह की रचनाओं में राष्ट्र – चेतना किस प्रकार अभिव्यक्त हुई है ?

(iii) संगीत के क्षेत्र में अमीर–खुसरो का योगदान रेखांकित कीजिए।

(iv) 'भूषण' की राष्ट्रीयता का स्वरूप उजागर कीजिए।

(v) रसखान की रागात्मक वृत्ति का संक्षेप में परिचय दीजिए।

(vi) 'रैदास की भाषा – लोकभाषा है।' प्रमाणित कीजिए।

(vii) रीतिकालीन काव्य की विशेषताओं के परिप्रेक्ष्य में 'देव' के काव्य का मूल्यांकन कीजिए।

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(x) रसखान का वास्तविक नाम क्या था ?

(xi) 'नरसी जी से माहेरो' किसकी रचना है ?

(xii) 'मसि कागद छूओ नहीं' कहने वाले संत कवि कौन थे ?

(xiii) विद्यापति सौन्दर्योपासक कवि थे ?

(कथन सत्य है/असत्य है)

(xiv) भूषण को 'भूषण' उपाधि किसने दी थी ?

(xv) जायसी के किन्हीं दो ग्रंथों के नाम लिखिए।

(xvi) देव का पूरा नाम क्या था ?

(xvii) विद्यापति का जन्म ----- के एक ब्राह्मण परिवार में हुआ। (अयोध्या/मिथिला/हरिद्वार)

(xviii) अमीर खुसरो का जन्म ----- हिजरी को हुआ।

(651/652/653)

(xix) रैदास ----- के भक्त थे।

(गंगा/जमुना/सरस्वती)

(xx) 'भेष को अंग' का मूल प्रतिपाद्य क्या है ?

20x1=20

www.sgbauonline.com